



राष्ट्रपति ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर रामलला के दर्शन किये

श्री राम यंत्र स्थापना करने से, राम राज्य के आदर्शों का पालन करते हुए, हम नैतिकता और धार्मिक आचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू (जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज (19 मार्च, 2026) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भीतर विभिन्न स्थानों पर दर्शन एवं आरती की और श्री राम यंत्र स्थापना और पूजन भी किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि अयोध्या नगरी की पवित्र धूल का स्पर्श करना ही उनका परम सौभाग्य है, यह वही

पवित्र नगरी है जहां प्रभु श्री राम का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि चैत्र शुक्ल संवत्सर 2083 के प्रारंभ और नवरात्रि के पहले दिन यहां उपस्थित होना उनके लिए वास्तव में एक सौभाग्य है।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस अत्यंत पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन, यहां राम लला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिक्षार पर धर्म-ध्वजारोहण के दिन हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से हम इन लक्ष्यों को 2047 तक, शायद



उत्सवों में पहले, प्राप्त कर लेंगे। समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना राम 21वीं सदी में, हमारे समावेशी विकसित राष्ट्र की परिकल्पना राम

गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि राम-राज्य में न कोई दुखी है, न निर्धन है, न पगालंबी है, न बुद्धिहीन है और न ही कोई संस्कारहीन है।

राष्ट्रपति ने कहा कि राम राज्य का आदर्श आर्थिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के उच्चतम मानकों को प्रस्तुत करता है। प्रभु श्री राम के जीवन के अनेक उदाहरण सर्वव्यापी और समावेशी जीवन दर्शन के आदर्शों को दर्शाते हैं। उन्होंने

प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि समकालीन संदर्भ में सामाजिक समावेश और आर्थिक न्याय सहित राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और उन्हें क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राम राज्य के आदर्शों पर चलते हुए हम सब नैतिकता और धर्माचरण पर आधारित राष्ट्र का निर्माण कर सकेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश का पुनर्जागरण आर्थिक, सामाजिक,

राजनीतिक और सांस्कृतिक सभी आयामों में हो रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिकों को एकता की भावना से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम के प्रति भक्ति के पवित्र बंधन से एकजुट होकर और सभी के प्रति आत्मीयता की भावना रखते हुए, हमें राष्ट्र निर्माण में संलग्न होना चाहिए।

'जिस आस्था को कभी अंधविश्वास बताकर अपमानित किया गया, उसी पर आज गर्व किया जा रहा है'.. सीएम योगी का विपक्ष पर निशाना



(जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने आध्यात्मिक गुरु माता अमृतानंदमयी से भेंट की।

इस अवसर पर सीएम योगी ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'जिस आस्था को पहले अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया, वही लोग उस समय और व्यवस्थाएं की गई हैं।'

राष्ट्रपति ने कहा कि वे होटल रेडिसन में ठहरेंगी और शाम करीब 6:30 बजे इस्कॉन मंदिर, वृंदावन से अपने धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत करेंगी।

लेकिन राम मंदिर की बात करना, काशी में काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण या मथुरा-वृंदावन का उल्लेख करना उन्हें अंधविश्वास और रूढ़िवादिता लगता था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार शाम लगभग 5 बजे वृंदावन पहुंचेंगी। उनके स्वागत को लेकर शहर में व्यापक स्तर पर सजावट और व्यवस्थाएं की गई हैं।

राष्ट्रपति के आगमन के बाद वे होटल रेडिसन में ठहरेंगी और शाम करीब 6:30 बजे इस्कॉन मंदिर, वृंदावन से अपने धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत करेंगी।

इसके बाद उनके प्रेम मंदिर, नीब करौरी आश्रम, उड़िया बाबा आश्रम और रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में दर्शन करने का कार्यक्रम निर्धारित है।

एक मंच पर जुटेंगे विशेषज्ञ, योगी होंगे मुख्य अतिथि विश्व वानिकी दिवस (21 मार्च) के अवसर पर लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में देशभर के विशेषज्ञों का एक मंच पर जुटाना होगा। इसमें राज्यों में चल रहे वनीकरण, वन संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन से जुड़े कार्यों की समीक्षा और अनुभवों को साझा किया जाएगा।

200 करोड़ का 'बनाना क्लस्टर': कृषि क्षेत्र में बदलाव की दिशा में बड़ा कदम- केंद्रीय कृषि मंत्री

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गुड़ी पड़वा

के पावन अवसर पर जलगांव में केला उत्पादक किसानों के साथ आत्मीय संवाद किया और किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि अवसरचना को सुदृढ़ करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सभी को गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खानदेश की धरा जलगांव 'स्वर्ण नगरी' और 'बनाना सिटी' के रूप में जानी जाती है जो देश के बागवानी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

श्री चौहान ने बताया कि जलगांव में लंबे समय से प्रस्तावित बनाना क्लस्टर परियोजना को स्वीकृति मिल चुकी है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव ने स्वयंसेवकों से सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और जीवन बचाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया

(जीएनएस)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत आईआईटी मद्रास में स्थापित 'सड़क सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र' (सीआईआरएस) ने 16-18

मार्च 2026 तक फरीदाबाद में 'सड़क सुरक्षा मित्र' (एसएसएम) स्वयंसेवकों के लिए अपनी पहली प्रत्यक्ष प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के युवाओं को सड़क सुरक्षा में सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में सशक्त बनाना और पूरे देश में युवाओं के नेतृत्व वाला आंदोलन खड़ा करना है। इस तीन-दिवसीय गहन कार्यशाला में 5 राज्यों और 13 जिलों से आए 53 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को 'जिला सड़क सुरक्षा समितियों' (डीआरएससी) की

तीन प्रमुख क्षेत्रों में सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। ये



क्षेत्र हैं - दुर्घटनाओं के समय तत्काल प्रतिक्रिया, सड़क सुरक्षा ऑडिट, और जिला-स्तरीय सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए प्रशासनिक सहायता। तीन-दिवसीय 'सड़क सुरक्षा मित्र' कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, श्री वी. उमाशंकर ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

उन्होंने पूरे देश में सड़क सुरक्षा में सुधार लाने में जमीनी स्तर के हस्तक्षेपों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

सड़क सुरक्षा स्वयंसेवकों और संबंधित पक्षों को संबोधित करते हुए, श्री वी. उमाशंकर ने पूरे देश से आए सड़क सुरक्षा नेताओं और स्वयंसेवकों की भागीदारी पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित

निवारक स्वास्थ्य देखभाल और आरोग्य को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के बीच साझेदारी

(जीएनएस)। सुरक्षा बलों के बीच निवारक स्वास्थ्य देखभाल और समग्र स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आयुष मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के अधीन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य सीआईएसएफ कर्मियों और उनके परिवारों के बीच आयुष-आधारित निवारक स्वास्थ्य देखभाल, आरोग्य, योग, तनाव कम करने और समग्र स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना है। इस समझौते पर आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयु.) डॉ. ए.रघु और सीआईएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली की

महानिरीक्षक (प्रशासन) श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और सीआईएसएफ के महानिरीक्षक श्री प्रवीर रंजन (आईपीडी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।



इस समझौते का उद्देश्य दोनों संगठनों के बीच समन्वय को बढ़ाना है ताकि सीआईएसएफ कर्मियों को आयुष-आधारित निवारक, संवर्धनात्मक और आरोग्य सेवाएं प्रदान की जा सकें। इसके मुख्य फोकस क्षेत्रों में जागरूकता पैदा

करना, आयुष की जानकारी देना, आरोग्य समामानों, योग अभ्यास, जीवनशैली सुधार और आयुष प्रणालियों के माध्यम



से समग्र स्वास्थ्य देखभाल शामिल है। यह पहल सीआईएसएफ के प्रतिष्ठानों में, जहाँ भी संभव हो, आयुष ओपीडी सेवाएं प्रदान करने की संभावनाओं पर भी विचार करेगी।

इस समझौता ज्ञापन की शर्तों के तहत, आयुष मंत्रालय तकनीकी सहायता प्रदान करेगा, आरोग्य मांजूयूल विकसित करेगा और अपने संस्थानों एवं अनुसंधान परिषदों के माध्यम से विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा। दूसरी ओर, सीआईएसएफ अपनी विभिन्न इकाइयों और प्रतिष्ठानों में इन पहलों के कार्यान्वयन को सुगम बनाएगा।

यह साझेदारी सुरक्षाकर्मियों के दैनिक जीवन में चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों को एकत्रित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उनके स्वास्थ्य, जुझारूपन और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार होगा।

यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए जाने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

ग्रामीण पेयजल व्यवस्था : महाराष्ट्र ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

केंद्र और राज्य सरकार ने हर घर तक पेयजल सेवा सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण पाइपलाइन नेटवर्क में सुधार के लिए हाथ मिलाया (जीएनएस)।

ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आज महाराष्ट्र और केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुधार-आधारित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही महाराष्ट्र औपचारिक रूप से जल जीवन मिशन 2.0 के सुधार-आधारित कार्यान्वयन ढांचे में शामिल हो गया है, जिसे 10 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी गई थी।

इस समझौता ज्ञापन पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के जलापूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री श्री गुलाबराव पाटिल और महाराष्ट्र की राज्य मंत्री श्रीमती मेघना बोर्डेकर साकोरे की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए, जो ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के

माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की संयुक्त सचिव (जल) श्रीमती स्वाति मीना नायक और महाराष्ट्र सदन की रेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव श्रीमती आर. विमला के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन ने देश भर के ग्रामीण जलापूर्ति में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। मिशन ने अब तक 80% ग्रामीण परिवारों को नल से जल के कनेक्शन उपलब्ध करा दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन 2.0 का ध्यान सुनिश्चित सेवा वितरण, जवाबदेही और संरचनात्मक सुधार के साथ दीर्घकालिक स्थिरता पर है। उन्होंने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के प्रति सरकार की 'जो-टोलरेंस'

नीति को भी दोहराया।



केंद्रीय मंत्री ने एसबीआई रिसर्च का हवाला देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन ने लगभग 9 करोड़ महिलाओं को पानी लाने की दैनिक मशक्कत से मुक्ति दिलाई है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अध्ययन का उल्लेख करते हुए बताया कि नल से सुरक्षित पेयजल की पहुंच से महिलाओं के प्रतिदिन लगभग 5.5 करोड़ घंटे बच सकते हैं। और डायरिया जैसी बीमारियों से होने वाली करीब 4 लाख वार्षिक मौतों को रोका जा सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन केवल एक योजना नहीं, बल्कि जीवन

में बदलाव लाने वाला अभियान है, जो स्वास्थ्य, गरिमा और जीवन स्तर में सुधार ला रहा है, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण समुदायों के लिए। इसलिए हर गांव में नियमित और निरंतर जल आपूर्ति सुनिश्चित करना आवश्यक है और जन शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री के आ'न का उल्लेख करते हुए उन्होंने राज्य से जल स्रोतों की स्थिरता और जल संरक्षण पर भी ध्यान देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने जल जीवन मिशन के बदलावकारी प्रभाव की सराहना की और हर ग्रामीण घर को टिकाऊ, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति के साथ, राज्य कार्यों की गुणवत्ता पर अधिक जोर देगा। अपने संबोधन में, उन्होंने आगे कहा कि संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति के साथ, राज्य कार्यों की गुणवत्ता पर अधिक जोर देगा।



गरवी गुजरात
हिन्दी



JioTV
CHENNAI NO. 2002



Jio Air Fiber



Jio Tv +



Jio Fiber



Daily Hunt



ebaba TV



Dish Plus



DTH live OTT



Rock TV



Airtel



Amezone Fire



Roku Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही गरवी गुजरात हिंदी चैनल देखिये

सम्पादकीय

यूएस से खाड़ी देशों की गुहार -ईरान पर पायें काबू

अमेरिका और इजरायल के हमलों में अपने शीर्ष राजनेताओं एवं सैन्य अधिकारियों के मारे जाने से बौखलाया ईरान अब खाड़ी देशों के तेल भंडार, रिफाइनरी और अन्य ऊर्जा ठिकानों पर सीधे निशाना साध रहा है। ईरान ने यूएई, सऊदी अरब और कतर के ऊर्जा ठिकानों पर हमले करके न सिर्फ खाड़ी देशों में हड़बंध मचा दिया है बल्कि विश्व समुदाय की ऊर्जा उपलब्धता को लेकर चिन्ता भी बढ़ा दी है। दरअसल अभी तो होर्मुज स्ट्रेट जलडमरूमध्य में दुनिया भर के जहाजों के आने-जाने पर प्रतिबंध लगाकर ईरान ने अफरातफरी का माहौल देखकर समझ गैस कि दुनिया इतने से ही झुकने वाली नहीं है बल्कि जब तक तेल और गैस की समुचित आपूर्ति एवं उपलब्धता को बाधित नहीं किया जाता तब तक उसकी ताकत का कोई एहसास ही नहीं करेगा।

यह सच है ईरान पर अमेरिका और इजरायल ने हमले करके पिछले बीस दिनों से उसके रणनीतिक प्राविष्टानों को तबाह कर दिया है। ईरान का आरोप है कि इन दोनों देशों ने एक तरफ तो तेहरान से वातचीत करने का अभिनय किया और जब ईरान के राजनेता और परमाणु वैज्ञानिक मीटिंग के लिए एकत्र हुए तो एक साथ ही सभी को उड़ा दिया गया। इसका मतलब है कि अमेरिका और इजरायल की किसी भी बात का भरोसा किया ही नहीं जा सकता। यही कारण है कि ईरान अब अमेरिका और इजरायल से किसी तरह की बात करने का इच्छुक ही नहीं है। लेकिन ईरान विश्व तारकों की खाड़ी देशों पर झुंझलाकर उनकी रिफाइनरीज, तेल भंडार और अन्य ऊर्जा संसाधनों को तबाह करने पर आमादा है उससे तो यही लगता है कि अब ईरान युद्ध रोकने में खुद पहल करना तो दूर बल्कि वह युद्ध को चरम पर ले जाने के लिए आमादा है। ईरान अमेरिका और इजरायल के मित्र खाड़ी देशों की भी सबक सिखाने के लिए उन पर हमले कर रहा है और उसे यह भी पता है कि उसकी इसी कार्रवाई से दुनिया भर में तेल, गैस और पेट्रो उत्पादों का संकट पैदा हो गया जो भयंकर रूप धारण करने वाला है। ईरान को अभी जो सहानुभूति मिल रही है, कदाचित् परेशान दुनिया जब अन्तर्गत संकट के कारकों की समीक्षा करेगा तो उसे ईरान ही खलनायक लगने लगेगा। खाड़ी देशों के अस्तित्व पर संकट आने पर वे सभी ईरान के खिलाफ एकजुटता के औचित्य को सिद्ध करने लगेगे।

यह सच है कि ईरान इस बात को जानता था कि कभी न कभी उस पर अमेरिका और इजरायल हमला जरूर करेंगे। इसलिए वह अपनी रक्षा तैयारियां कर रहा था। किन्तु अमेरिका और इजरायल भी यह बात अच्छी तरह जानते थे कि उन्हें कभी न कभी ईरान के बारूदी जखीरों का सामना करना पड़ेगा। यही कारण है तैयारी दोनों तरफ से हो रही थी। अब स्थिति गंभीर इसलिए हो गई है कि न तो ईरान के साथ मुस्लिम देश हैं और न ही अमेरिका के साथ नाटो देश दृढ़ता से खड़े हैं। पहले अमेरिकी राष्ट्रपति इस बात को समझते थे कि यदि एक बार ईरान के साथ युद्ध में उलझ जाए तो निकलना मुश्किल हो जाएगा किन्तु राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परिणाम के बारे में अनुमान लगाए बिना ही ईरान पर जोरदार हमला कर दिया, जिसका घातक परिणाम अब उन देशों को भुगतना पड़ रहा है जिनका इस युद्ध में कोई हित या संदर्भ जुड़ा ही नहीं है।

बहरहाल अब युद्ध में जो नया मोड़ आया है। वह अत्यन्त घातक साबित होने वाला है। युद्ध के मौजूदा हालत में खाड़ी के देश तो तबाह होंगे ही ईरान भी पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। इसलिए हर हाल में ईरान को रोकने का वृत्तीयक प्रयास होना चाहिए और यह जिम्मेदारी वे नहीं निभा पाएंगे जिन पर हमले का आरोप है बल्कि रूस, चीन और भारत को ही आगे आना चाहिए। ईरान को भी महसूस करना होगा कि यदि वृत्तीय असफल हुई तो युद्ध की विभीषिका अवश्यभावी है और ऐसे युद्ध का परिणाम सभी को पता है।

प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स 2026: प्राइम वीडियो ने अब तक की अपनी सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल्स स्लेट पेश की, इसमें अलग-अलग प्रकार के फॉर्मेट और कई भाषाओं में बनी सीरीज और फिल्में शामिल हैं

मुंबई, भारत में दर्शकों के मनोरंजन के सबसे पसंदीदा डिस्ट्रिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज अपने 'प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स' कार्यक्रम में अब तक की सबसे बड़ी नई ओरिजिनल सीरीज और फिल्मों की घोषणा की। इसमें लगभग 55 नई सीरीज और फिल्में शामिल हैं। इसमें भारतीय ओरिजिनल कंटेंट की बड़ी सूची के साथ-साथ एमेर्जन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया की थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्मों और कई बड़ी लाइसेंस फिल्मों की भी घोषणा की गई। यह आने वाला बहु-भाषा कंटेंट दर्शकों को हर जगह-स्ट्रीमिंग से लेकर सिनेमा तक मनोरंजन देगा।

इस स्लेट में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में कई जबरदस्त ओरिजिनल सीरीज और फिल्में शामिल हैं। इनमें 'स्क्रिप्टेड' और 'अनस्क्रिप्टेड', दोनों तरह की कहानियों के अलग-अलग जॉनर देखने को मिलेंगे। इसमें कई नई और बहुप्रतीक्षित टाइटल्स शामिल हैं, जैसे निक्खिल आडवाणी की महान रचना द रिवोल्यूशनरीज, जिसमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पिरजादा नजर आएंगे; मटका किंग जिसमें विजय वर्मा हैं; राख जिसमें अली फजल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर हैं; लुकव्हे, जिसमें रैपर किंग पहली बार एक्टिंग करते दिखेंगे; और वंश झ द कलमगु वॉरियर्स, जो भारत की पहली हिंदी सुपरहीरो सीरीज है, खास तौर पर स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई है। इन नई रिलीज के साथ-साथ, इस लाइनअप में भारत की कुछ सबसे लोकप्रिय सीरीज के नए सीजन भी वापस आ रहे हैं। इनमें 'फर्जी' सीजन 2, 'पंचायत' सीजन 5, 'कॉल मी बे' सीजन 2, 'दुपहिया' सीजन 2, 'दहाड़' सीजन 2 और 'द ट्रेटर्स' सीजन 2 जैसी कई सीरीज शामिल हैं।

अपने अब तक के सबसे बड़े क्षेत्रीय कंटेंट विस्तार के साथ, यह लाइनअप क्षेत्रीय कहानी कहने को नई ऊंचाई पर ले जाता है। इसमें कई बड़े लॉन्च शामिल हैं, जैसे लोकप्रिय हिंदी अनस्क्रिप्टेड सीरीज, द ट्रेटर्स का



तेलुगु संस्करण, जिसमें तेजा सज्जा होस्ट के रूप में नजर आएंगे; गुव्वला चेरुवु घाट, जो कि किरण अब्बावरम और थिरुवीर अभिनीत एक तेलुगु ड्रामा है; इसके अलावा तमिल ड्रामा एरजाम, पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्मित वधांधी का सीजन 2, और इम्पेक्टर ऋषि का सीजन 2 भी इस सूची में शामिल हैं।

इस लाइनअप में प्राइम वीडियो के लिए कई नए बड़े सहयोग भी शामिल हैं। ऋतिक रोशन की एचआरएक्स फिल्म अब पहली बार स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रख रही है, जिसमें ओरिजिनल सीरीज स्टॉर्म और ओरिजिनल फिल्म मेस शामिल हैं। वहीं आलिया भट्ट की इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस की ओरिजिनल फिल्म डोट वी साथ लेकर आ रही है। अनुभवी कहानीकारों और नए उभरते क्रिएटर्स का यह मिश्रण अब भारत और दुनिया भर के दर्शकों के लिए एक अनेक टैलर का रचा है।

इस लाइनअप की एक खास झलक एमेर्जन एमजीएम स्टूडियो की थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्मों की घोषणा भी रही, जिसमें पांच नई

योग 365: दैनिक जीवन में स्वास्थ्य का समावेश, इस पहल का उद्देश्य योग को दैनिक आदत बनाना है

(जीएनएस)। जब अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को पहली बार 2015 में विश्व स्तर पर मनाया गया, तो यह तेजी से विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य आंदोलनों में से एक बन गया। प्रति वर्ष 21 जून को, दुनिया भर के लाखों लोग पार्कों, संस्थानों और घरों में योग करते हैं।

केंद्रीय आयुष्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने बताया, 'आयुष्य मंत्रालय का उद्देश्य उस एक दिवसीय उत्सव की भावना को आगे बढ़ाते हुए योग को दैनिक अभ्यास में बदलना है। यह सोच 'योग 365' के रूप में साकार हुई है, जो एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसका लक्ष्य योग को नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना है।'

इस पहल का औपचारिक अनावरण योग महोत्सव-2026 के शुभारंभ के दौरान किया गया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 के लिए 100 दिनों की उलटी गिनती की शुरुआत की। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने निःशुल्क दैनिक ऑनलाइन योग सत्र प्रदान करने के लिए वेबनेस प्लेटफॉर्म हैबिल्ड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

जागरूकता से लेकर कार्रवाई तक श्री जाधव ने बताया, 'भारत में पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों के बारे में जागरूकता का स्तर पहले से ही बहुत ऊंचा है, लेकिन असली चुनौती इस जागरूकता को नियमित अभ्यास में

बदलने में है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के अनुसार, ग्रामीण भारत में योग जैसी पारंपरिक प्रणालियों के बारे में जागरूकता 95 प्रतिशत और शहरी भारत में 96 प्रतिशत है। एनएसएस में यह भी पाया गया कि ग्रामीण भारत में लगभग 1.1 करोड़ परिवारों और शहरी भारत में लगभग 1.4 करोड़ परिवारों में कम से कम एक सदस्य नियमित रूप से योग का अभ्यास करता है।'

श्री जाधव ने जोर देकर कहा कि जागरूकता और व्यवहार के बीच के इस अंतर को ही योग 365 अभियान पाटने का प्रयास करता है। योग मानसिक स्पष्टता, शारीरिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन के लिए एक शक्तिशाली साधन है। योग 365 के माध्यम से हमारा प्रयास लोगों को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि स्वास्थ्य एक सामयिक कार्यक्रमलाप के बजाय जीवन शैली बन जाए।

उन्होंने कहा कि यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के वैश्विक उत्सव है, जागरूकता पैदा करने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन अगला चरण समुदायों, संस्थानों और कार्यस्थलों में रोजमर्रा की जिंदगी में योग को समाहित करने के बारे में है।

365 दिनों की आदत योगा 365 के पीछे की अवधारणा सरल लेकिन महत्वाकांक्षी है जो एक दिवसीय उत्सव से आगे बढ़कर पूरे वर्ष निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है।

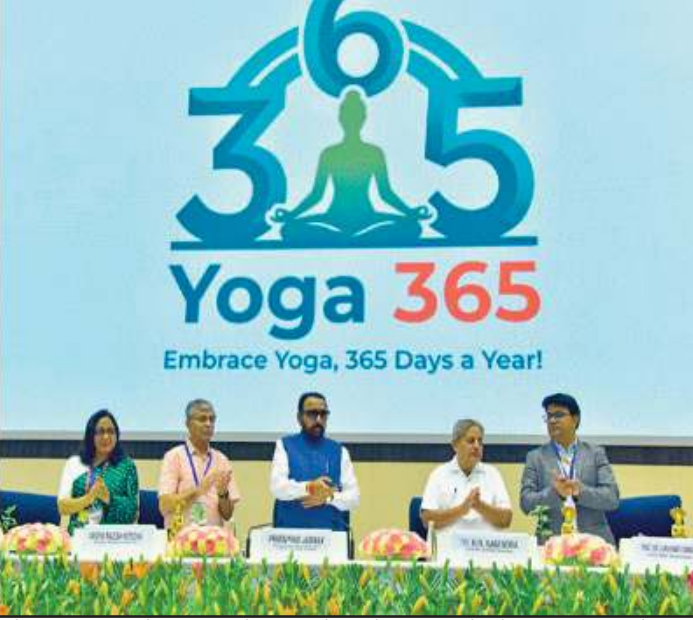
इस अभियान का उद्देश्य मिशन-

हांगकांग फिल्म मार्ट 2026: भारत पवेलियन ने मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को प्रदर्शित किया

एनएफडीसी, वैश्विक फिल्म बाजारों में सह-निर्माण समझौतों, व्यापार विनियम और बाजार पहुंच के माध्यम से भारतीय रचनाकारों की सशक्त उपस्थिति सुनिश्चित कर रहा है (जीएनएस)।

हांगकांग इंटरनेशनल फिल्म एंड

टीवी मार्केट (फिल्म मार्ट) 2026 में 'भारत पवेलियन', वैश्विक मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य में भारत की निरंतर बढ़ती उपस्थिति को और मजबूती प्रदान कर रहा है। यह पवेलियन अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव, व्यापारिक आदान-प्रदान और



मोड आउटरीच के माध्यम से समुदायों को संगठित करना, व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना और स्कूलों एवं कार्यालयों से लेकर पड़ोस के समूहों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों तक विभिन्न स्थानों में योग को एकीकृत करना है। हैबिल्ड के साथ साझेदारी इस अभियान की पहली व्यापक डिजिटल योग दिवस के वैश्विक उत्सव है, जागरूकता पैदा करने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन अगला चरण समुदायों, संस्थानों और कार्यस्थलों में रोजमर्रा की जिंदगी में योग को समाहित करने के बारे में है।

आयुष्य मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेश ने कहा, 'एनएसएस के 79वें दौर के अनुसार, शहरी भारतीयों में से 96 प्रतिशत लोग हमारी चिकित्सा प्रणालियों से परिचित हैं,

लेकिन उनमें से बहुत कम लोग ही इनका दैनिक अभ्यास करते हैं। योग 365, गैर-संक्रामक रोगों के लिए हाल ही में शुरू किए गए योग प्रोटोकॉल के साथ मिलकर, योग को अधिक सुलभ, व्यावहारिक और रोजमर्रा के स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिक बनाकर इस अंतर को पाटने का प्रयास करता है। एक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य अभियान डिजिटल सत्रों के अलावा, योग 365 एक व्यापक अभियान के रूप में काम करेगा जो आयुष्य मंत्रालय की योग से संबंधित कई पहलों को आपस में जोड़ेगा। इस कार्यनीति में दैनिक अभ्यास के अवसरों को बढ़ाने के लिए संस्थानों, कॉर्पोरेट संगठनों, सामुदायिक समूहों और शैक्षिक नेटवर्कों के साथ सहयोग शामिल है।

अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान व्यापक स्तर पर नागरिक

सहभागिता, व्यवहार परिवर्तन संचार और संस्थागत एकीकरण पर केंद्रित होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि योग रोजमर्रा की दिनचर्या का एक स्वाभाविक हिस्सा बन जाए।

आयुष्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा डैश ने जोर देते हुए कहा, 'योग 365 पूरे देश में दैनिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। सामुदायिक भागीदारी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और संस्थागत सहभागिता को मिलाकर, इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योग हर घर तक पहुंचे और एक स्थायी जीवनशैली का हिस्सा बन जाए।'

योग 365: रोजमर्रा की जिंदगी में सेहत को अपनाएं

योगा 365 का उद्देश्य केवल पूरे वर्ष योग का अभ्यास करना ही नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के दैनिक जीवन में स्वास्थ्य को एकीकृत करना भी है। कॉर्पोरेट कर्मचारियों के लिए वाई-ब्रेक, आम जनता के लिए कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) और रोग प्रबंधन के लिए चिकित्सीय योग प्रोटोकॉल जैसी पहलें दर्शाती हैं कि योग कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, दैनिक फिटनेस और निवारक स्वास्थ्य देखभाल में कैसे सहायक हो सकता है। ये सभी प्रयास मिलकर योग को दैनिक जीवन में स्वास्थ्य और संतुलन सुधारने का एक व्यावहारिक साधन बनाने के व्यापक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करते हैं।

21 जून से आगे बाद जैसै-जैसै अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 निकट आ रहा है, योग 365

औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

भारत पवेलियन का उद्घाटन हांगकांग और मकाऊ विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एसएआर) में भारत

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन सेवा निर्यात संवर्धन परिषद (एसईपीसी) और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्त्वधान में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। इस

ईकोसिस्टम का भव्य प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के साथ वीडिबी (बिजनेस-टू-बिजनेस) बैठकों, सह-निर्माण प्र

चर्चाओं और नेटवर्किंग कार्यक्रमों को सुगम बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान



के महावाणिज्य दूत, श्री राजेश नायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने फिल्म, टेलीविजन और उभरते मीडिया क्षेत्रों में वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय प्रतिनिधिमंडल की उस्ताहपूर्ण भागीदारी की भी सराहना की, जो भारत के मीडिया और मनोरंजन ईकोसिस्टम के प्रति बढ़ते वैश्विक आकर्षण का परिचायक है।

भारत पवेलियन का आयोजन

पहल को हांगकांग और मकाऊ (एसएआर) स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास का पूर्ण सहयोग प्राप्त है। उद्घाटन समारोह में एसईपीसी, एनएफडीसी और हांगकांग व्यापार विकास परिषद (एचकेटीडीसी) के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई।

इस पवेलियन में फिल्मों, टेलीविजन, एनिमेशन और उभरते मीडिया के क्षेत्रों में भारत की विविधतापूर्ण कंटेंट और निर्माण

'वैश्विक कंटेंट परिदृश्य में फिल्मों का प्रभाव और उभरते अवसर' विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें उद्योग विशेषज्ञों ने बाजार में हो रहे की बदलावों और अन्य देशों के साथ सहयोग पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) भारतीय रचनाकारों के लिए सह-निर्माण, बाजार पहुंच और वितरण के अवसर सुलभ कराकर, प्रमुख वैश्विक फिल्म

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 'महिला विशेष हिंदी कार्यशाला' का आयोजन

19 मार्च, 2026: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय में एक दिवसीय 'महिला विशेष हिंदी कार्यशाला' का आयोजन किया गया। श्री आशीष पाण्डेय, बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, तथा श्री निदेश रंजन, बैंक के कार्यपालक निदेशक, की गरिमायुगी उपस्थिति में इस समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, श्री हरीश सिंह चौहान, भारत सरकार के गृह

जबकि सुश्री चित्रा देसाई, लेखिका एवं अधिवक्ता, विशेष अतिथि के

महिला दिवस के अवसर पर मुंबई स्थित केंद्रीय कार्यालय में एक दिवसीय 'महिला विशेष हिंदी कार्यशाला' का आयोजन किया गया। श्री आशीष पाण्डेय, बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, तथा श्री निदेश रंजन, बैंक के कार्यपालक निदेशक, की गरिमायुगी उपस्थिति में इस समारोह का आयोजन किया गया।

मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, नवी मुंबई के उप निदेशक (कार्यान्वयन) एवं कार्यालय प्रमुख, मुख्य अतिथि रहे;

महिला कार्यपालकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यपालकों द्वारा बैंकिंग कार्यों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग पर जोर दिया और बताया कि इस डिजिटल युग में, ई-टूल्स और तकनीकी संसाधनों के उपयोग से राजभाषा में रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान, बैंक में हिंदी के प्रचार-प्रसार और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उत्कृष्ट योगदान देने वाली

पंजाब नैशनल बैंक ने एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए 'डिजी एमएसएमई प्राइम' लॉन्च किया

19 मार्च 2026: सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ऋण पहुंच को सरल और त्वरित बनाने के उद्देश्य से एक उन्नत डिजिटल लेंडिंग समाधान 'डिजी एमएसएमई प्राइम' लॉन्च किया है।



यह नई पहल 'स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग' मॉडल पर आधारित है, जो ऋण प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को कम करती है। इससे न केवल ऋण स्वीकृति की गति बढ़ेगी, बल्कि

वितरण भी तेजी से सुनिश्चित होगा।

पिन से भी छोटे छेद द्वारा यूपी की पहली 'कीहोल' हार्ट सर्जरी

बिना छाती की हड्डी काटे छोटे से चीरे द्वारा चार वर्ष के बच्चे के दिल के छेद की जटिल सर्जरी कर अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ ने रचा नया कीर्तिमान

मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी तकनीक से सर्जरी के बाद दो दिन में ही मिली हॉस्पिटल से छुट्टी लखनऊ. - राजधानी स्थित अपोलोमैडिकस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक चार वर्षीय छोटे बच्चे की जटिल हार्ट सर्जरी नई तकनीक से सफलतापूर्वक पूरी कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उत्तर प्रदेश में पहली बार हुआ, जब इतने छोटे बच्चे के दिल के छेद को 'कीहोल' तकनीक यानी बेहद छोटे चीरे के माध्यम से बंद किया गया।

बच्चे को लंबे समय से फेफड़ों में बार बार संक्रमण हो रहा था और उसे सांस लेने में भी परेशानी रहती थी। जांच में पता चला कि उसके दिल में छेद है। आमतौर पर ऐसी स्थिति में पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी की जाती है, जिसमें सीने में सामने की तरफ बड़ा चीरा (लगभग 15 से मी का) लगाया जाता है और मरीज को सर्जरी के बाद कई दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ता है।

अपोलोमैडिकस में इस जटिल सर्जरी को अत्याधुनिक 'मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी' तकनीक से किया गया। इसमें बच्चे के कंधे के नीचे बगल के हिस्से में सेफ्टी पिन जितना (लगभग 3 से मी) का एक छोटा सा चीरा लगाया गया और उसी रास्ते से दिल का ऑपरेशन पूरा किया



गया। इस दौरान हृदय को बायपास मशीन पर रखकर दिल के छेद को बंद किया गया।

इस सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले अपोलोमैडिकस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में कार्डियक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ राहुल भूषण ने बताया "छोटे बच्चों में यह सर्जरी करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि उनका हृदय आकार में बहुत छोटा होता है। डॉ राहुल भूषण ने इस तकनीक में विशेष प्रशिक्षण सिंगापुर के नेशनल हार्ट सेंटर में प्राप्त किया है। वहां उन्होंने मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी में एक वर्ष की फेलोशिप की, जिसके बाद इस तकनीक को लखनऊ में शुरू किया गया।

उन्होंने बताया, 'छोटे बच्चों का दिल आम तौर पे वयस्क व्यक्ति के दिल से 3 से 4 गुना छोटा होता है। ऐसे में सर्जरी के दौरान बच्चों के दिल तक छोटे चीरे द्वारा पहुंचना और बायपास मशीन से जोड़ना तकनीकी रूप से कठिन होता है। नई तकनीक और आधुनिक मशीनों की मदद से अब इतने छोटे बच्चों में भी यह सर्जरी संभव हो पाई है। वयस्कों में दिल और फेफड़ों के

कार्य को सुचारु रखने वाली बायपास मशीन से जोड़ने की प्रक्रिया आमतौर पर जांच के ऊपरी हिस्से यानी ग्रीन में मौजूद फीमोरल रक्त वाहिकाओं के माध्यम से की जाती है। लेकिन बच्चों में ये फीमोरल रक्त वाहिकाएं पूरी तरह विकसित नहीं होतीं। इसलिए बायपास मशीन के लिए ट्यूब लगाने की प्रक्रिया उसी छोटे चीरे से करनी पड़ती है, जहां से सर्जरी की जा रही होती है। इससे सर्जरी और कठिन हो जाती है, क्योंकि उसी छोटे स्थान से कई ट्यूब दिल में लगानी पड़ती हैं और सर्जिकल प्रक्रिया करने की जगह भी कम हो जाती है।"

डॉ राहुल भूषण ने बताया कि इस सर्जरी में लगभग तीन घंटे का समय लगा। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें हड्डी या मांसपेशी को नहीं काटा जाता, रक्तसाव कम होता है और मरीज की रिकवरी बहुत तेज होती है। उन्होंने कहा, 'इस प्रक्रिया में बच्चे को केवल एक दिन आईसीयू में रखना पड़ा और दो दिन में ही अस्पताल से छुट्टी मिल गई। पहले यह माना जाता था कि हृदय सर्जरी के बाद मरीज को पांच से दस दिन तक अस्पताल

में रहना पड़ता है, लेकिन नई तकनीक से यह धारणा बदल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार की सर्जरी से शरीर पर बड़ा निशान नहीं बनता, वह सामान्य जीवन जी सकता है इसलिए बच्चे को आगे खेलकूद या रक्षा सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भी जाने पर कोई बाधा नहीं आती।

अपोलोमैडिकस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीईओ और एमडी डॉ मयंक सोमानी ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के हेल्थ सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया, 'हमारा उद्देश्य है कि अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकें उत्तर प्रदेश के मरीजों तक पहुंचें ताकि लोगों को बड़े शहरों या विदेश जाने की जरूरत न पड़े। अपोलोमैडिकस में विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक तकनीक की मदद से जटिल सर्जरी भी सुरक्षित तरीके से की जा रही है।'

इस सफल सर्जरी के बाद बच्चे का दिल पूरी तरह सामान्य तरीके से काम कर रहा है और डॉक्टरों के अनुसार वह अब पूरी तरह स्वस्थ है। इस तकनीक के आने से भविष्य में बच्चों में होने वाली जटिल हृदय सर्जरी अधिक सुरक्षित बन सकेगी।

नवरात्रि के अवसर पर IIM रोड स्थित 'द अविद्यान' में 'सात्विक उत्सव एवं स्पेशल थाली' का हुआ सफल आयोजन

अंगूरी रसमलाई और साबुदाना की टिक्की जैसी स्पेशल सात्विक डिशेंज रही मुख्य आकर्षण, 9 प्रकार के व्यंजनों ने बढ़ाया स्वाद और उत्सव का अनुभव।

लखनऊ में सात्विक फाइन डाइनिंग का अनूठा अनुभव, पारंपरिक स्वाद के साथ आधुनिक प्रेजेंटेशन ने जीता दिल।

लखनऊ : IIM रोड स्थित *द अविद्यान* द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित 'नवरात्रि सात्विक उत्सव एवं स्पेशल थाली' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सात्विक व्यंजनों के साथ आध्यात्मिक माहौल का आनंद लिया।

IIM रोड स्थित "द अविद्यान" के जनरल मैनेजर आकाश सिंह राठौर ने कहा कि यह आयोजन केवल भोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव के रूप में उभरा, जिसने अतिथियों को नवरात्रि की वास्तविक भावना से जोड़ा। वहीं, असिस्टेंट फूड एंड बेवरेज



(F&B) मैनेजर सुनीत कुमार सिंह ने बताया कि विशेष सात्विक थाली को अत्यंत सावधानी और शुद्धता के साथ तैयार किया गया, जिसे मेहमानों से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। भक्ति और स्वाद का सफल संगम प्रसून सिंह, एफ एंड बी मैनेजर (इवेंट्स एवं क्लब ऑपरेशंस) ने बताया कि नवरात्रि के अवसर पर क्वट रोड स्थित द अविद्यान होटल में विशेष सात्विक थाली तैयार की गई है। यह थाली बायोटेक और सात्विक कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जिसमें कुट्टू की घुघरी,

गल्फ फ्रूट्स, लस्सी सहित कई विशेष व्यंजन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस फेस्टिवल थाली का उद्देश्य मेहमानों को पारंपरिक स्वाद के साथ एक प्रीमियम और यादगार अनुभव देना है। शेफ विजय, सु-शेफ* ने बताया कि नवरात्रि के इस विशेष अवसर पर मेहमानों के लिए खास सात्विक व्यंजनों की श्रृंखला तैयार की गई है, जिसमें स्पेशल डिश के रूप में अंगूरी रसमलाई और साबुदाना की टिक्की को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। इसके साथ ही कुल 9 प्रकार के सात्विक

व्यंजन परोसे जा रहे हैं, जिनमें अंगूरी रसमलाई, साबुदाना की टिक्की, कुट्टू की पुड़ी, पनीर नया विन, जीरा आलू, कट फ्रूट्स, स्वीट लस्सी, दूध की बर्फी और साबुदाना की खिचड़ी जैसे स्वादिष्ट और पौष्टिक विकल्प शामिल हैं, जो ब्रत के नियमों के अनुरूप शुद्ध और पौष्टिक है।

इस आयोजन में प्रस्तुत की गई नवरात्रि स्पेशल सात्विक थाली खास आकर्षण का केंद्र रही। पारंपरिक व्यंजनों, शुद्ध सामग्री और भारतीय संस्कृति की झलक ने अतिथियों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

दरम्यान (टडउ) द्वारा क्वरेट किए गए इस आयोजन में मेहमानों को शांतिपूर्ण वातावरण, उत्कृष्ट आतिथ्य और नवरात्रि की दिव्य भावना का अनुभव कराया गया। आयोजन का हर पहलू सुव्यवस्थित और आकर्षक रहा।

यह आयोजन आस्था, परंपरा और परिकृत स्वाद का एक सुंदर उदाहरण बनकर उभरा, जहाँ हर अतिथि को एक विशेष आध्यात्मिक और पाक अनुभव प्राप्त हुआ। उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे यादगार बताया।

केएम विश्वविद्यालय में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का पौधारोपण के साथ हुआ समापन : कुलाधिपति ने चिकित्सकों के साथ पौधा लगाकर की अनूठी पहल

-आंख हमारे शरीर और जीवन का महत्वपूर्ण अंग : किशन चौधरी -पोस्टर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुलाधिपति ने प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

मथुरा (जीएनएस)। केएम विश्वविद्यालय के मेडीकल एंड हॉस्पिटल में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का समापन अनूठी पहल के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने अस्पताल के सभी विभागाध्यक्षों एवं पीजी-यूजी छात्र-छात्राओं के साथ पौधारोपण करके समापन किया।

इससे पूर्व ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह की थीम ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए एकजुट होने को लेकर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन नेत्र रोग विभाग द्वारा किया गया तथा प्रतियोगिता विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर कुलाधिपति ने सम्मानित करते हुए कहा कि आंख हमारे शरीर और जीवन का महत्वपूर्ण अंग है, आंखों से ही मन में इच्छा जागृत होकर दिमाग को संकेत देती है, इसके बाद शरीर उस कार्य को करता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों से देश के भविष्य (एमबीबीएस) छात्रों को सीखने को मिलेगा, क्योंकि शिक्षा के साथ विद्या मिल जाए तो व्यक्ति सफलताओं की ऊंचाइयों को छू लेता है। केएम मेडीकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा विश्व ग्लूकोमा सप्ताह समापन 'ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए' कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रबंधन ने इस प्रकार के आयोजनों को भविष्य में भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि सुरक्षित कार्य संस्कृति को और सुदृढ़ किया जा सके। मूल्यांकन की भूमिका मनीष सिंह, ललित खुराना, सौम्या मिश्रा एवं मोहित सक्सेना ने निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन सुरक्षा विभाग से शैलेश श्रीवास्तव ने किया।

एकजुट होना' विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रतिकुलपति फॉरिसिक



मेडिसिन प्रो. डा. शरद अग्रवाल, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, एडीशनल मेडीकल सुप्रीटेंडेंट डा. नमित गौतम और डा. आरपी गुप्ता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं माला पहनकर किया। इस मौके पर मंच की अध्यक्षता एवं संचालन डा. यशो पांडेय ने किया। वहीं नेत्र रोग विभाग के चिकित्सकों द्वारा बनाई गई जागरूकता वीडियो को दर्शाया गया। नेत्र विभाग की प्रोफेसर डा. निधि जैन ने विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ग्लूकोमा की 'दृष्टि का मूक चोर' कहा जाता है, क्योंकि यह अक्सर बिना लक्षणों के धीरे-धीरे दृष्टि छीन लेता है और दुनिया में अपरिवर्तनीय अंधता का प्रमुख कारण है। बताया कि हर साल का बढ़ता आंकड़ा बताता है कि 2040 तक यह ग्लूकोमा 11 करोड़ लोगों को चपेट में ले लेगा। उन्होंने कहा कि ग्लूकोमा में आंख के अंदर का दबाव बढ़ने लगता है, जिससे ऑप्टिक नर्व को

नुकसान पहुंचता है। यह नर्व आंखों से दिमाग तक दृश्य संकेत पहुंचाने का काम करती है। यदि समय रहते बीमारी की पहचान नहीं हो पाती है तो धीरे-धीरे दृष्टि कम होने लगती है और स्थायी

अंधापन भी हो सकता है। कहा कि 40 वर्ष की उम्र के पश्चात अपनी आंखों की नियमित जांच जरूर कराएं एवं जिन लोगों को डायबिटीज है अथवा घर में ग्लूकोमा का पारिवारिक इतिहास है तो आवश्यक रूप से ग्लूकोमा की जांच कराएं, क्योंकि इस रोग के निदान के लिए इसका जल्दी पता लगाना आवश्यक है, ताकि समय रहते इसको कंट्रोल किया जा सके। इसीक्रम में विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा कि इस बीमारी से परिवार और समाज के लोगों को जागरूक करना चाहिए और परेशान लोगों को अस्पताल लाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने जागरूकता कार्यक्रम के लिए नेत्र रोग विभाग की टीम को बधाई दी। वहीं प्रतिकुलपति फॉरिसिक मेडिसिन प्रो. डा. शरद अग्रवाल ने नेत्र विभाग की टीम के जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की और ग्लूकोमा से बचाव के टिप्स सभी के साथ साझा किए। कार्यक्रम का सफल बनाने में नेत्र रोग विभाग की

चिकित्सक टीम में असिस्टेंट प्रो. डा. निधि जैन, डा. गौहर जहां, डा. परिधि गुप्ता, डा. रवि सोनी, डा. नितिन घई, डा. हिमानी मिसुर्या, डा. आर्युष पांडेय, डा. दिलीसा, डा. मनन कुमार, डा. यशो पांडेय, डा. अक्षय, डा. दीपक, डा. गुडिया, डा. कुशग्रह गर्ग, डा. दिवांशी, डा. कूकू, डा. ऋषिका, डा. प्रतिभा, डा. सचिन का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर कुलाधिपति ने चिकित्सकों के साथ पौधारोपण किया। कार्यक्रम का समापन पर विश्वविद्यालय परिसर में कुलाधिपति किशन चौधरी ने स्नेह और दुलार के साथ पौधारोपण करके पौधों में पानी दिया। इसी प्रकार से अस्पताल के मेडीसन विभाग के एचओडी डा. आरपी गुप्ता, सचरी विभागाध्यक्ष डा. अजय अग्रवाल, स्त्री रोग विभाग से डा. ऐश्वर्या त्रिपाठी, हड्डी विभाग के डा. रामचन्द्र, रेडियोलॉजी से डा. हर्ष शांडिल्य, इंएनटी विभागाध्यक्ष डा. शिवांगी, स्कैन एचओडी डा. रामावतार बन्ध, टीवी चैस्ट विभाग से डा. सिद्धार्थ, नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डा. एमके तनेजा, मनोरोग विभागाध्यक्ष डा. नमित गौतम समेत अन्य विभागाध्यक्षों ने अपनी यूजी-पीजी इंटरनल टीम के साथ पौधारोपण किया और पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। इसीक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता और नुकड़ नाटक से जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए इंटरनल छात्रों के मध्य एक पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित कराया गई।

रेनुसागर पावर डिवीजन में राष्ट्रीय सुरक्षा माह के तहत पीपीई प्रतियोगिता का आयोजन

(जीएनएस)। रेनुसागर (सोनभद्र)। हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर. पी. सिंह के मार्गदर्शन में हेड सुरक्षा अरविंद सिंह के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा माह के अवसर पर रेनुसागर पावर डिवीजन में सुरक्षा उपकरणों के उपयोग एवं उनके समुचित रख-रखाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'अपने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) को जानें' विषय पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति



जागरूकता बढ़ाना तथा कार्यस्थल पर व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के

सही उपयोग के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पीपीई के विभिन्न प्रकार, उनके उपयोग, रख-रखाव एवं सुरक्षा मानकों से संबंधित जानकारी को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं संचालक कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समझ एवं जागरूकता का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनकी प्रस्तुति, ज्ञान एवं व्यावहारिक समझ के आधार पर किया गया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रबंधन ने इस प्रकार के आयोजनों को भविष्य में भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि सुरक्षित कार्य संस्कृति को और सुदृढ़ किया जा सके। मूल्यांकन की भूमिका मनीष सिंह, ललित खुराना, सौम्या मिश्रा एवं मोहित सक्सेना ने निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन सुरक्षा विभाग से शैलेश श्रीवास्तव ने किया।

अवैध शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

खखेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक युवक को कच्ची व देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, लोंहांगपुर मजरे जहांगीर नगर गढ़वा गांव में काफी समय से एक युवक द्वारा अवैध कच्ची और देसी शराब की बिक्री किए जाने की सूचना मिल

रही थी। त्योंहारों के महेनजर उपनिरीक्षक ईश्वर चंद अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति अपने घर के बरामदे से अवैध शराब बेच रहा है।

सूचना पर उपनिरीक्षक ने आबकारी निरीक्षक रमेश कुमार सिंह के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास

से करीब 10 लीटर कच्ची शराब और 16 टेट्रा पैक देसी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान नीरज कुमार श्रीवास्तव (39) पुत्र मंगल प्रसाद, निवासी ग्राम लोंहांगपुर के रूप में हुई। आरोपी ने पूछताछ में अवैध शराब बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया।

प्रतिबंधित पेड़ों का कटान चरम पर, विभागीय सुस्ती से वन माफिया बेखौफ

खखेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित प्रजाति के हरे पेड़ों का अवैध कटान इन दिनों चरम पर पहुंच गया है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की सुस्ती के चलते वन माफिया बेखौफ होकर पेड़ों को कटाई कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन बिगड़ने लगा है।

ताजा मामला तेंदुआ गांव का है, जहां वन माफियाओं ने बुधवार देर शाम एक हरे-भरे महुआ के विशाल वृक्ष को काटकर गिरा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में दिनदहाड़े प्रतिबंधित प्रजाति के पेड़ों की कटाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस पर



प्रभावी रोक लगाने में नाकाम साबित हो रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, वन विभाग की निष्क्रियता के चलते माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। कई बार शिकायतों और मीडिया के खबरें प्रकाशित होने के बाद भी कार्रवाई के नाम पर केवल जुमाना लगाकर मामलों को उठे बस्ते में डाल दिया जाता है। कुछ मामलों में मुकदमा दर्ज होने की बात कही जाती है, लेकिन जब की गई लकड़ी कहां सुरक्षित रखी जाती है, इस पर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगातार हो रहे कटान से क्षेत्र का हरित आवरण तेजी से खत्म हो रहा है और गांव का वातावरण मरुस्थल में तब्दील होने की ओर बढ़ रहा है। इसके बावजूद प्रशासन और वन विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

इस संबंध में वन क्षेत्र अधिकारी विवेक शुक्ला से संपर्क करने उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित पेड़ महुआ और अनामिका दीक्षित के निर्देशन में हुई। इस अवसर पर डा. दीपा आकर्षित कर रहे थे। विभिन्न अग्रवाल एवं हरवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

नवसंवत्सर के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

मथुरा (जीएनएस)। मेला स्थल में सायं को सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता, रूप सज्जा, सामूहिक नृत्य एवं एकल नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सामूहिक एवं एकल नृत्य में

प्रतिभागियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मनमोह लिया। रूप सज्जा में विभिन्न स्वरूपों में सजे नर्तक-नर्तकी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। विभिन्न प्रतियोगिताएं संयोजक डा. सीमा

मिश्रा, दीपा चतुर्वेदी, आरती शर्मा, प्रिया वशिष्ठ, रजनी भट्ट, अंजु गौतम और अनामिका दीक्षित के निर्देशन में हुईं। इस अवसर पर डा. दीपा आकर्षित कर रहे थे। विभिन्न अग्रवाल एवं हरवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन शुरू

19 मार्च 2026: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (लटरक), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर जिले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैनुफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि 'द पावर ऑफ ड्रीम्स' के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है।

टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इस विस्तार के साथ, दूसरे प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। यह पहल 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

क्षमता विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, श्री त्सुतुमो ओटानो, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा, 'भारत मोबिलिटी परिवर्तन के एक नए दौर में

प्रवेश कर रहा है, और एचएमएसआई जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध



है। टपूकड़ा में हमारे प्रोडक्शन इकोसिस्टम को मजबूत करना हमारी सपनाई चेतन में अधिक मजबूती, लचीलापन और भविष्य की तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विस्तार हमें बाजार की मांग के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा और लाखों ग्राहकों को आकांक्षाओं को समर्थन देने वाला मूल्य प्रदान करना जारी रखने में मदद करेगा। सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुलभ मोबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हम दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर केंद्रित हैं, जो मोबिलिटी

को आगे बढ़ाने के साथ-साथ कंपनी की भविष्य की नींव को और मजबूत करेगा।

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने कहा, 'राजस्थान विश्वस्तरीय मैनुफैक्चरिंग के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। टपूकड़ा स्थित अपने प्लांट में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया द्वारा किया जा रहा क्षमता विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्र को एचएमएसआई का निरंतर निवेश ने केवल मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और क्षेत्र के ऑटोमोटिव इकोसिस्टम के विकास में योगदान देगा। हम इस पहल का

स्वागत करते हैं और मोबिलिटी, नवाचार तथा आर्थिक विकास में उद्योग के निरंतर योगदान की अपेक्षा करते हैं।

एचएमएसआई भारत में चार मैनुफैक्चरिंग प्लांट संचालित करता है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 62.5 लाख यूनिट है। वर्ष 2001 में संचालन शुरू करने के बाद से कंपनी 7 करोड़ से अधिक यूनिट का उत्पादन कर चुकी है, जो भारत के मोबिलिटी सेक्टर के प्रति उसके पैमाने और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मई 2025 में की गई घोषणा के अनुसार, एचएमएसआई गुजरात के अहमदाबाद जिले के विठलापुर प्लांट में चौथी प्रोडक्शन लाइन जोड़ रहा है। यह नई लाइन 2027 में शुरू होने वाली है, जिसका काम योजना के अनुसार प्रगति पर है और यह एचएमएसआई के प्रोडक्शन नेटवर्क को और मजबूत करेगी।

दूसरे प्लांट ने जुलाई 2011 में 6 लाख यूनिट वार्षिक क्षमता के साथ संचालन शुरू किया था, जिसे मार्च 2012 में बढ़ाकर 12 लाख यूनिट कर दिया गया। 2023 से एचएमएसआई मशीनिंग में ऑटोमेशन और प्रोडक्शन एफिशिएंसी टेक्नोलॉजीज लागू कर रहा है, जिसके चलते वर्तमान वार्षिक क्षमता 13 लाख यूनिट हो गई है। इन एफिशिएंसी सुधारों को आगे भी जारी रखा जाएगा और वित्त वर्ष 2026 तक इसे 13.4 लाख यूनिट तक पहुंचाने की योजना है।

